कृपया प्रकाशनार्थ **29 अक्टूबर 2012**

मंत्री बदलनेसे नही, तो नयी नीति से
राह भटका पेट्रोलियम विभाग सुधरेगा: राम नाईक

मुंबई,सोमवार: ''प्रधान मंत्री डा. मनमोहन सिंह के अजब सरकार की गजब कहानी है. पेट्रोलियम जैसे संवेदनशील विभाग के लिए इस सरकार के आठ वर्षों के कार्यकाल में चार मंत्री हुए हैं. बार-बार मंत्री बदलने से नहीं, तो निश्चित नीति अपनाने से राह भटका पेट्रोलियम विभाग सुधरेगा'', ऐसी आलोचना पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने की है. मंत्रिमंडल की कल पुनर्रचना करते समय चौथी बार पेट्रोलियम मंत्री बदलने पर श्री. नाईक ने यह प्रतिक्रिया दी है. देश में 1963 में पेट्रोलियम मंत्रालय की निर्मिती से आज तक लगातर पाच साल पेट्रोलियम मंत्री रहने वाले श्री. राम नाईक एकमात्र पेट्रोलियम मंत्री है.

''प्रधान मंत्री श्री. अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में हमने सोच समझ कर नीति तय की, जिस का आग्रहपूर्वक क्रियान्वयन करने से पेट्रोलियम क्षेत्र में देश तरक्की कर सका. हमने मात्र एक वर्ष के भीतर घरैलु गैस की एक करोड से भी अधिक ग्राहकों की प्रतिक्षा सूचि समाप्त कर दी. दुसरी ओर युपीए सरकार है जो विद्यमान ग्राहकों को गैस सिलेंडर की माँग पुरी नही कर पा रही है, इतना ही नही तो दाम भी बढा दिया है. वाजपेयी सरकार ने पेट्रोलियम क्षेत्र में विदेशों में निवेश, खोज के लिए नए क्षेत्र प्रदान करना, ओएनजीसी का कायाकल्प, पेट्रोल में इथेनॉल मिलाना, आदि विभिन्न उपायों से पेट्रोलियम पदार्थों का स्त्रोत बढाया, तो इसके विपरीत डा. मनमोहन सिंह की सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों की आयात 70 प्रति शत से 80 प्रति शत तक बढाकर पेट्रोलियम क्षेत्र में अस्थिरता निर्माण की है. आठ वर्षों में यह अधःपतन क्यों हुआ इसका आत्मपरीक्षण प्रधान मंत्री ने करना चाहिए. बार-बार मंत्री बदलने के बजाय अगर इस विभाग के लिए निश्चित नीति तय कर उस पर अंमल किया तो ही सुधार होगा'', ऐसा भी श्री. राम नाईक ने कहा.

''दशहरे के पहले गैस सिलिंडर में कटौती कर तथा दाम बढा कर कांग्रेस सरकार ने आम आदमी के त्यौहार के आनंद में खटास पैदा की है. अब दिवाली के कुछ दिन पहले केवल मंत्री बदलने से आम आदमी को क्या लाभ होगा?'', ऐसा भी श्री. नाईक ने कहा है.

(कार्यालय मंत्री)